

Ch-4

जगदीशचंद्र बोस

Date: 9/07/20

Sub: - Hindi Reader

Class: - IV

★ शब्दांश ★

धारणा - पक्का विचार

तीव्र - तेज

आविष्कार - नई बात की खोज

अदृष्ट - न दृष्टनेवाला, सदा-बना रहनेवाला

निर्जीव - जिसमें जान न हो

उपाधि - पदवी

व्याप्त - बूटकर - बहुत अधिक

सम्मानित - जिसका सम्मान हुआ हो, प्रतिष्ठित

• बोधात्मक और विचारात्मक प्रश्न :-

1. जगद्गीशचंद्र बोस कौन थे? हम उन्हें क्यों याद करते हैं?

उत्तर :- जगद्गीशचंद्र बोस हमारे देश के एक महान वैज्ञानिक थे। हम उन्हें इसलिए याद करते हैं क्योंकि उन्होंने नर-नर वैज्ञानिक आविष्कारों के माध्यम से देश का नाम रोशन किया है।

2. जगद्गीशचंद्र बोस ने किन खोजों से संसार को चकित कर दिया? वे विज्ञान-जगत में किस तरह प्रसिद्ध हुए?

उत्तर :- जगद्गीशचंद्र बोस ने "पेड़-पौधों में अनुभव करने की शक्ति" और "बेतार-के-तार" खोजों से संसार को चकित कर दिया।

जगदीशचंद्र बोस को बचपन से ही पेंड -
पैथों में रूचि थी। प्राथमिक शिक्षा - दीक्षा गाँव
में ही अच्छी हुई, फिर उच्च शिक्षा के लिए
वे बिलायत गए। वहाँ उन्होंने कुछ वैज्ञानिकों
के साथ काम भी किया, जिससे नई - नई खोज
करने की तीव्रता जागी।

स्वदेश लौटने पर वे कलकत्ता में विज्ञान
के प्राध्यापक बने, उनमें दीर्घशक्ति, अटूट साहस,
उमंग तथा लगन था। फिर उन्होंने सर्वप्रथम
"बैतार - के - तार" का आविष्कार किया और "पेंड - पैथों
की अनुभव शक्ति" होने का यंत्र बनाकर दिखाया।
इससे वह "डॉक्टर ऑफ साइंस" (डी. एम. - सी.)
की उपाधि प्राप्त किया। तथा कलकत्ता में

एक विज्ञान-मंत्रालय की स्थापना की। यह मंत्रालय 'बोस रिसर्च इंस्टीट्यूट' (बोस शोध-संस्थान) के नाम से प्रसिद्ध हुआ। इस तरह जगदीशचंद्र बोस सारे देश के विज्ञान-जगत् में प्रसिद्ध हुए।

3. जगदीशचंद्र बोस ने किस तरह देश-सेवा में जीवन लगाया? उन्हें तपस्वी कहना क्यों तक ठीक है?

उत्तर :- जगदीशचंद्र बोस ने सारे देश में ऐसी विज्ञान-संस्थाएँ स्थापित किया, जिससे विद्यार्थियों को विदेश जाने की आवश्यकता न पड़े और उन्होंने अपनी कमाई का एक बड़ा हिस्सा कुल 15 लाख

SUNDAY 08

स्वयं विज्ञान - मंत्रालय में दान दिए इस प्रकार वह देश - सेवा में जीवन लगाया ।

उन्हें तपस्वी कहना ठीक है क्योंकि उन्होंने भारतीय वैज्ञानिकों का जो आदर्श सामने रखा था वह बहुत दिनों तक अंधेरे में प्रकाश - स्तंभ का काम करता रहा ॥